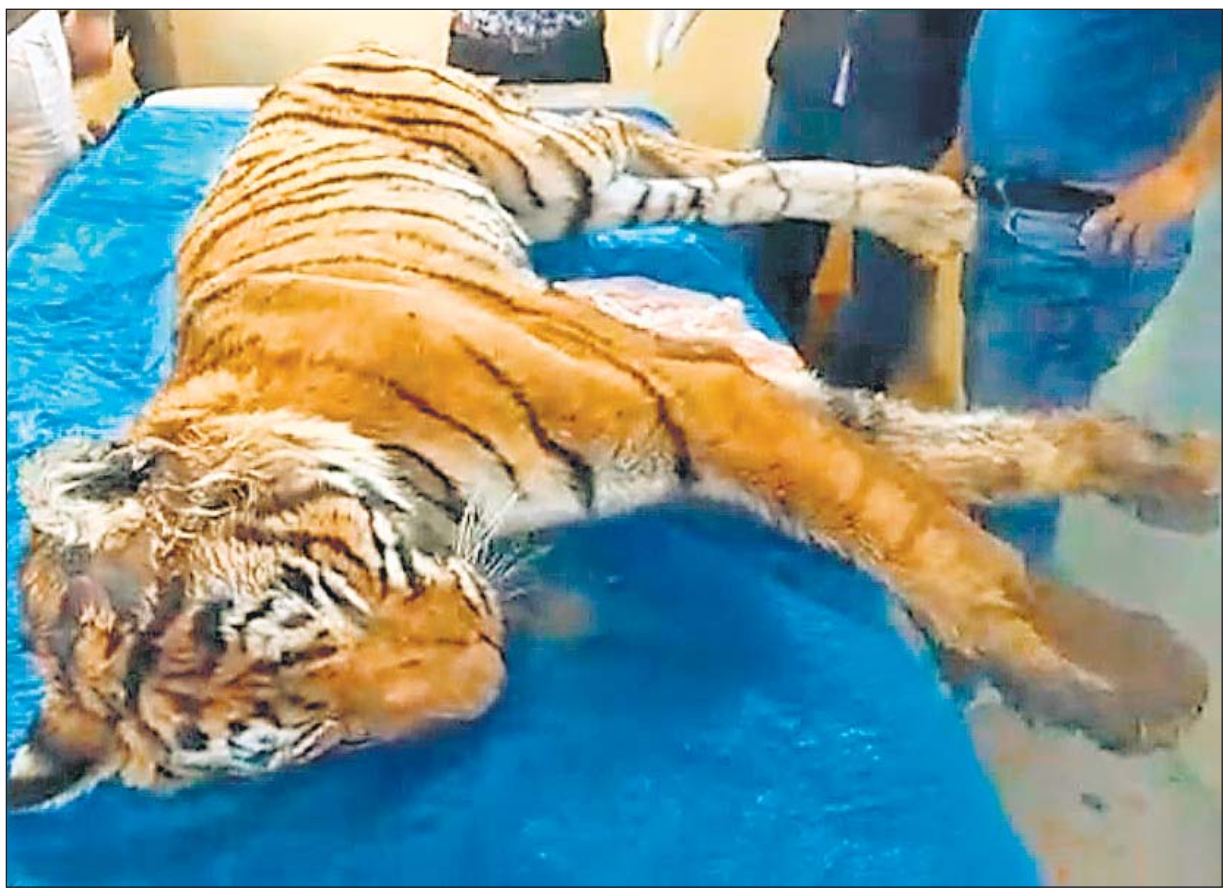

रणथम्भौर से बुधवार को एक और दुखद खबर सामने आई। रणथम्भौर को बाघों से आबाद करने वाली बाघिन टी-19 उर्फ "कृष्णा" की मौत हो गई। वन अधिकारियों के मुताबिक कृष्णा काफी उम्रदराज व शारीरिक रूप से अक्षम हो चुकी थी। गौरतलब है कि, पिछले दिनों भी बारिश व बर्फबारी के कारण रणथम्भौर में एक बाघिन व उसके एक शावक की मौत हो गई थी।

'पेपर लीक की जांच नहीं हो पा रही, जांच हो रही है तो केवल इसकी कि, कौन सचिन पायलट के साथ खड़ा है'

सैनिक कल्याण मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही को लेकर विधायक इंद्राज गुर्जर ने प्रेस कॉन्फ्रैंस कर गृह मंत्रालय पर सवाल उठाए

पावटा, 8 फरवरी (निसं)। प्रदेश के सैनिक कल्याण और पंचायतीराज राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही प्रकरण को लेकर बुधवार को पावटा में विधायक इंद्राज गुर्जर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गृह मंत्रालय पर कड़े सवाल उठाय उन्होंने कहा कि, किसी मंत्री पर मुकदमा दर्ज हो और वह भी राजस्थान के मुख्यमंत्री की जानकारी के बिना, ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि गृह विभाग भी उन्हीं के पास है।

गृह मंत्रालय पर सवाल उठाते हुए विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि, दुर्गा सिंह नामक व्यक्ति जो एक जालसाज है और उस पर कई कानूनी प्रकरण चल रहे हैं उसे जयपुर बुलाया जाता है और उसे राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के खिलाफ मैनेज कर एफआईआर दर्ज करवाई जाती है।

यदि बिना जानकारी के राजस्थान सरकार के मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज होती है तो गृह मंत्रालय क्या कर रहा है। एक राज्य मंत्री के खिलाफ इस तरीके से झूठी एफआईआर दर्ज हो रही है तो आम जनता का क्या होगा।

वहीं, उन्होंने कहा कि, दुर्गा सिंह जयपुर में किन किन लोगों से मिला व किन लोगों ने उस पर कार्यवाही के लिए दवाब डाला यह जांच का मुख्य विषय है। उन्होंने कहा कि, बड़ी शर्म की बात है कि हमारी सरकार का एक दबंग नेता जिसने दो बार हमारी सरकार की मदद की। ऐसे मजबूत व्यक्ति को कौन कमजोर करने का कार्य कर रहा है ये जांच का विषय है।

इंद्राज गुर्जर ने राजस्थान में पेपर लीक मामले को लेकर कहा कि, पेपर लीक के मुलजिम नहीं पकड़े जा रहे उनकी जांच नहीं हो रही, यदि अधिकारी व नेता पेपर लीक मामले में शामिल नहीं है तो आर.पी.एस.सी. से पेपर बाहर कैसे आया उसकी जांच नहीं हो पा रही। अगर जांच हो भी रही है तो केवल इसकी कि कौन सचिन पायलट के साथ खड़ा होकर राजस्थान में कांग्रेस को मजबूत करने की बात कर रहा है, कौन व्यक्ति सचिन पायलट के साथ राजस्थान में दौरे कर रहा है, कौन व्यक्ति राजस्थान में वापस कांग्रेस सरकार बनाने की बात कर रहा है उन लोगों को टारगेट करने का काम किया जा रहा है।

इंद्राज गुर्जर जिस तरीके से राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने किसान सम्मेलन किया उसके बाद उनको घेरने की रणनीति तैयारी की गई यह बहुत गलत है। बिना जांच के अगर राज्यमंत्री के खिलाफ इस तरह की कानूनी कार्रवाई होती है तो यह द्वेषता पूर्ण की गई कार्रवाई है। राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा को फंसाने के लिए इस तरह का जो कार्य किया जा रहा है उसका विरोध किया जाएगा चाहे वह विरोध जनता के बीच में ही जाकर करना पड़े। इस अन्याय में हम सब लोग राजेंद्र सिंह गुढ़ा के साथ हैं।

''डिस्ट्रिक्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्तर्गत जारी किया गया था जो हाई कोर्ट के साथ ही जिला न्यायपालिका के जजों की सेवा शर्तों के संदर्भ में दायर की गई थी।

जे.एस.ए.डी. ने कहा कि, न्यायिक सेवाओं या बार से हाई कोर्ट में नियुक्ति पाने वालों के लिए संविधान में किसी कोटे की बात नहीं कही गई है, लेकिन अनुच्छेद 217 (2) (हाई कोर्ट जज के पद की सेवा शर्तें व नियुक्ति) में सर्विस जजों का हवाला सबसे पहले दिया गया है। जे.एस.ए.डी. ने दावे से कहा कि, इससे पता चलता है कि, पदोन्नति का पहला विकल्प जिला न्यायपालिका से चुनना चाहिए।

उसने आवेदन में निवेदन किया था कि "संविधान निर्माताओं ने न्यायिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को अधिक जिम्मेदारी और अहमियत देते हुए दोनों को समान महत्व दिया था।

आगे यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि, जजों की नियुक्ति यदि जिला न्यायपालिका से की जाती है तो इससे केसों का बेहतर निस्तारण होगा और निर्णय भी अच्छे होंगे।

चूंकि, लोअर कोर्ट, हाई कोर्ट के अधीनस्थ होते है, इसलिए सर्विस जजों का समय पर परीक्षण किया जाता है और उन्हें सुपरवाइज़ भी किया जाता है। यह उल्लेख किया गया कि, इसके अतिरिक्त इस प्रकार के अभ्यर्थियों की विशेष योग्यता और राइटिंग स्किल संबंधी सूचना तुरन्त उपलब्ध होती है।

यह भी निवेदन किया गया कि, बार (वकीलों) से नियुक्ति पाने वालों के मामले में उनकी कार्यशैली पर "ट्रायल एण्ड एटट" संबंधी प्रश्न चिन्ह होता है।

रणथम्भौर की बाघिन "कृष्णा" नहीं रही

उम्र दराज व शारीरिक रूप से बेहद कमजोर हो चुकी कृष्णा का शव रणथम्भौर के वन क्षेत्र में मिला

सवाई माधोपुर, 8 फरवरी (निस)। रणथम्भौर नैशनल पार्क से आज एक बार फिर दुखद खबर सामने आई। रणथंभौर नैशनल पार्क की बाघिन टी-19 यानी "कृष्णा" की बुधवार को मौत हो गई। अपने जीवन के लंबे पड़ाव के बाद उम्रदराज बाघिन टी- 19 ने रणथंभौर नैशनल पार्क के लकड़दा वन क्षेत्र में अंतिम सांस ली। बाघिन टी-19 रणथम्भौर वन क्षेत्र में कृष्णा के नाम से जानी जाती थी।

वन विभाग के अनुसार बाघिन कृष्णा टी- 19 उम्र के अपने अंतिम पड़ाव पर थी। वह 17 साल की हो चुकी थी। यह बाघिन रणथंभौर नेशनल पार्क की सुप्रसिद्ध बाघिन रही मछली की बेटी थी और रणथंभौर को बाघों से आबाद करने में इसकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज वनाधिकारियों को सूचना मिली कि रणथंभौर के लकड़दा क्षेत्र में बाघिन टी-19 मृत पड़ी है। इसके बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा बाघिन का शव अपने कब्जे में लिया। उसके बाद बाघिन के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजबाग लाया गया। जहां राजबाग चौकी पर बाघिन का मैडिकल बोर्ड की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। उम्रदराज होने के कारण बाघिन पिछले कुछ दिनों से शिकार करने में भी समर्थ नहीं थी, जिसके कारण वह शारीरिक रूप से भी बेहद कमजोर हो गई थी। वन विभाग बाघिन की मॉनिटरिंग भी कर रहा था।

- बाघिन टी-19, यानी "कृष्णा" की उम्र 17 वर्ष से ज्यादा हो चुकी थी।
- रणथम्भौर को बाघों से आबाद करने में बाघिन टी-19 की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

वनाधिकारियों ने बाघिन की मौत प्राकृतिक रूप से होना बताया। पोस्टमार्टम के बाद विधिवत रूप से बाघिन के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस मौके पर सेडुराम यादव मुख्य वन संरक्षक, मानस सिंह उप वन संरक्षक, कपिल शर्मा उप खंड अधिकारी, राजवीर चंपावत पुलिस उपाधीक्षक, डॉ. चन्द्र प्रकाश मीना वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉ. राजीव गर्ग, डॉ. सुनील, विजय मीणा रेंज ऑफिसर कुंडेरा आदि मौजूद थे।

तुर्की और सीरिया में बढ़ रहा है भूकम्प से मृतकों का आंकड़ा

इस्तांबूल/दमिश्क 8 फरवरी (वार्ता)। तुर्की और सीरिया में सोमवार को आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बुधवार को 11,200 से अधिक हो गई और 55 हजार से अधिक लोग इस भीषण प्राकृतिक आपदा में घायल हुए हैं।

- बुधवार तक 11,200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 55 हजार लोग इस भीषण प्राकृतिक आपदा में घायल हुए हैं।

तुर्की में तीन महीने का इमरजेंसी का एलान किया गया है। स्कूलों को 13 फरवरी तक बंद कर दिया गया है और सभी सरकारी इमारतों को शेल्टर होम बनाया गया है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन ने बताया कि भारत समेत अब तक 70 देश और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठन मदद के लिए आगे आए हैं। तुर्की में बर्फबारी हो रही है, ऐसे में बचाव अभियान में काफी दिक्कतें हो रही हैं।

लेकसिटी में पर्यटकों के आगमन का 14 साल का रिकॉर्ड टूटा

जनवरी में दो लाख पर्यटक उदयपुर आये

उदयपुर, 8 फरवरी (कासं)। लेकसिटी में जनवरी माह में घूमने के लिए रिकॉर्ड तोड़ पर्यटक आए हैं। करोना के बाद पहली बार इतनी संख्या में टूरिस्ट आने से जनवरी माह का बीते 14 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। झीलों की नगरी की सुंदरता और यहां के ऐतिहासिक महलों को देखने आने वालों में देश ही नहीं विदेशी टूरिस्ट्स की संख्या में भी इजाफा हुआ है। विशेष रूप से अमेरिका, यूके, फ्रांस और इजराइल जैसे देशों से टूरिस्ट आए हैं।

पर्यटन विभाग की ओर से जारी आकड़े बताते हैं कि, इस बार जनवरी में दो लाख टूरिस्ट उदयपुर घूमने आए। यह आकड़ा पिछले 14 साल में सबसे ज्यादा है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें डेढ़ लाख से अधिक देशी टूरिस्ट हैं, उल्लेखनीय है कि, करोना के बाद पहली बार विदेशी सैलानियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

- उल्लेखनीय बात यह है कि, कुल पर्यटकों में डेढ़ लाख विदेशी सैलानी हैं।
- आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए माना जा रहा है कि, होली पर और भी बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आयेंगे।

आंकड़े बताते हैं कि, वर्ष 2022 में जनवरी से दिसम्बर तक हर माह 12 साल के रिकॉर्ड तोड़ टूरिस्ट यहां आए हैं। जबकि जनवरी माह को टूरिस्ट का जाता हुआ सीजन माना जाता है। दिसम्बर 2022 में सीजन होने के कारण करीब सवा दो लाख पर्यटक आए थे।

मार्च में उदयपुर में बड़े फैस्टिवल होने वाले हैं जिसमें और भी बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की संभावना है। सबसे खास आयोजन मेवाड़ में मनाए जाने वाला होली का त्योहार है। जिसे खेलने के लिए ज्यादातर विदेशी मेहमान यहां आते हैं। इसके साथ ही उदयपुर में जी-20 सम्मेलन की दूसरी बैठक भी आयोजित होने वाली है, जिसमें कई देशों से राजनायिक यहां आएंगे। साथ ही मार्च के अंतिम सप्ताह में मेवाड़ फैस्टिवल भी होगा जिसमें पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के लिए कई बड़े आयोजन होते हैं जिसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना के अनुसार आंकड़े बता रहे हैं कि उदयपुर शहर को कितना पसंद किया जा रहा है। यहां लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। विभाग और प्रशासन की तरफ से भी लगातार पर्यटकों की सुविधाओं के लिए विकास के काम किए जा रहे हैं।

प्र.मंत्री मोदी ने पहनी रिसाइकिल प्लास्टिक से बनी जैकेट

प्र.मंत्री मोदी जब सदन में जैकेट पहनकर पहुँचे तो हर तरफ उनकी जैकेट की खूब चर्चा हुई

नई दिल्ली, 8 फरवरी। प्रधानमंत्री मोदी जो भी जैकेट पहनते हैं वह अपने आप में एक नया स्टाइल बन जाता है, आज देश में जैकेट भी "मोदी कट जैकेट" के तौर पर पहचानी जाने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को जब लोकसभा में आए तो उन्होंने एक ऐसी सदरी (जैकेट) पहन रखी थी कि, जिसकी चर्चा सदन से लेकर पूरे विश्व में होने लगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस जैकेट की कई खासियत है, जिसकी चर्चा हर कहीं हो रही है।

दरअसल बजट सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्लास्टिक की बोतलों को 'रिसाइकिल' करके बनायी गयी सामग्री से निर्मित जैकेट पहनकर बुधवार को संसद पहुंचे। वह जब सुबह सदन में हल्के नीले रंग की सदरी पहने नजर आए। अधिकारियों ने बताया कि मोदी की सदरी प्लास्टिक की बोतलों का पुनर्चक्रण (रिसाइकिल) करके बनी सामग्री से तैयार की गई है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने सोमवार को बेंगलुरु में भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान प्रधानमंत्री को यह जैकेट भेंट की थी। उन्होंने इस कार्यक्रम में इंडियन ऑयल की अनबॉटल्ड पहल के तहत विभिन्न पोशाक 'लॉन्च' की।

- प्र.मंत्री मोदी ने यह जैकेट पहनकर भारत सहित पूरी दुनिया को प्लास्टिक फ्री करने का मैसेज दिया।
- इस जैकेट को प्लास्टिक की करीब 28 बोतलों व कपास के कॉम्बीनेशन से बनाया गया है।
- इंडियन ऑयल कोरपोरेशन ने उन्हें गत सोमवार को यह जैकेट बैंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान भेंट की थी।

अधिकारियों ने बताया, "सिंगल यूज प्लास्टिक" को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के प्रधानमंत्री के आव्हान के अनुरूप इंडियन ऑयल ने खुदरा ग्राहक परिचारकों के वास्ते और उपभोक्ताओं तक एलपीजी (रसोई गैस सिलेंडर) पहुंचाने वाले कर्मियों के लिए ऐसी पोशाक निर्धारित की है, जो "रिसाइकिल्ड पॉलिएस्टर" (आरपीईटी) और कपास से बनाये गये हैं। आज इस जैकेट को पहनकर प्र.मंत्री सदन पहुंचे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का बड़ा संदेश दिया है।

अधिकारियों ने कहा कि इंडियन ऑयल के कर्मचारियों को लगभग 28 सिंगल यूज प्लास्टिक बोतल से बनाई गई पोशाक दी जायेगी। सार्वजनिक उपक्रम टिकाऊ वस्त्रों के लिए 'अनबॉटल्ड' ब्रांड के जरिये इस पहल को आगे बढ़ा रहा है।

इस ब्रांड के तहत आइओसी का लक्ष्य अन्य तेल विपणन कंपनियों के ग्राहक परिचारकों के लिए पोशाक की आवश्यकता को पूरा करना, सेना के लिए गैर-लड़ाकू वर्दी, संस्थानों के लिए पोशाक की आपूर्ति करना तथा खुदरा ग्राहकों को भी इसकी बिक्री करना है।

विदेशी भी ऑनलाइन भुगतान प्रणाली का लाभ उठा सकेंगे

मुंबई, 8 फरवरी (वार्ता)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने यूनिफाइड पेमेंट इन्टरफेस (यूपीआई) को विस्तार देने की दिशा में नया कदम उठाते हुए अब भारत आने वाले सभी विदेशी यात्रियों को उनके प्रवास के दौरान यूपीआई के माध्यम से व्यवसायिक भुगतान करने की सुविधा उपलब्ध कराने की आज घोषणा की।

- रिजर्व बैंक ने विदेशी नागरिकों के लिए भी यू.पी.आई पेमेंट (पेटीएम/फोन-पे) सुविधा शुरू करने की घोषणा की।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की बुधवार को समाप्त हुई तीन दिवसीय बैठक के बाद घोषणा करते हुए कहा कि यूपीआई देश में खुदरा इलेक्ट्रॉनिक भुगतानों के लिए एक सर्वव्यापी भुगतान साधन बन गया है।

रिज़र्व बैंक ने विश्वास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके अलावा किसी विशेष कॉरपोरेट को दिए गए लोन पर बारीकी से नज़र रखी जाती है। मोटी धन राशि का लोन लेने वाला कोई व्यक्ति यदि लोन चुकाने में विफल रहता है तो उस अनुचित लोन राशि की बैंक की समग्र आर्थिक स्थिति के परिप्रेक्ष्य में जांच की जाती है।

ऐसे समय में आर.बी.आई. का यह वक्तव्य बहुत महत्व रखता है, जबकि, इस बात को लेकर व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं कि, यदि अडानी मामले को लेकर संकट की स्थिति बनी रहती है तो भारत के बड़े बैंकों पर इसका क्या प्रभाव होगा। वैश्विक मीडिया, खासतौर पर अग्रणी मीडिया घरानों ने अडानी की कम्पनियों के शेयर भाव अधिक गिर जाने को प्रमुखता दी और भारत के पूरे फायनैंशियल सिस्टम पर उससे पड़ने वाले प्रभाव पर खूब लिखा।

तथापि, यह बताना जरुरी होगा कि, पूर्व में जब स्कैम हुए थे तब भारत की बैंकिंग सेवा का इतना विस्तार नहीं हुआ था, तथा बड़ी पार्टी के फेल होने से बैंक के फेल होने की संभावना बहुत प्रबल हो जाती थी। लेकिन वर्तमान में यह स्थिति नहीं है। बैंकों का लाभ बढ़ा है और उनके पूंजी आधार में ठोस वृद्धि हुई है। इस बीच, अडानी की कम्पनियों के शेयर्स ने अपनी वैल्यू में हुई क्षति को थोड़ा बहुत रिकवर किया है। अमेरिका के शॉर्ट- सैलर "हिंडनबर्ग" की एक रिपोर्ट के बाद अडानी की कम्पनियों का मार्केट कैपिटलाइज़ेशन 100 बिलियन डॉलर तक गिर गया था। रिपोर्ट में अडानी ग्रुप पर वित्तीय कुप्रबंधन और ऋण उपयोगिता के आरोप लगाए गए थे।

अडानी ग्रुप ऑफ कम्पनीज़ के शेयर्स बुधवार को मार्केट क्लोजिंग तक 20 प्रतिशत तक बढ़े, जिससे उनकी एक शानदार वापसी की उम्मीदें बंधीं। कुछ ग्लोबल फण्ड मैनेजर्स ने अडानी बॉण्ड्स वर्तमान कीमतों पर लेना शुरु किया है। इससे शेयर बाजारों और अडानी ग्रुप में आत्मविश्वास की बहाली का संकेत मिलता है।

हिन्डनबर्ग रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद अडानी की कम्पनियों के शेयर भाव दो हफ्तों तक लगातार गिरे। एक वक्त तो अडानी ग्रुप का भविष्य पूर्णतया अनिश्चित लग रहा था और अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में उसका अस्तित्व बने रहने को लेकर प्रश्न उठाए जा रहे थे।

''मोदी! मोदी!''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे झूठ पर जनता विश्वास नहीं करती। उन्होंने कहा, "मेरे खिलाफ आपके अपशब्द और आरोपों को पहले देश के करोड़ों नागरिकों से होकर गुज़रना होगा। मैं देश के लिए पिछले 25 वर्षों से काम कर रहा हूँ आप अपने झूठ से इस विश्वास को नहीं तोड़ सकते।"

राहुल गांधी द्वारा यह कहने पर कि, अडानी के इतनी जल्दी ऊंचाईयाँ छूने को लेकर मोदी-अडानी संबंधों पर हारवर्ड युनिवर्सिटी एक अध्ययन कर रही है, प्रधानमंत्री ने कहा, "मैंने सुना कि कोई (राहुल का नाम लिए बिना) हारवर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन का जिक्र कर रहा था, लेकिन मैं आपको बताऊं कि वहां किस विषय पर अध्ययन किया जा रहा है। वो विषय है-"कांग्रेस पार्टी का उत्थान और पतन।"

"नकारात्मकता में डूबे" लोगों को निशाना बनाते हुए मोदी ने कहा कि "ऐसे लोग हैं जो नकारात्मकता से भरे हुए हैं और जिन्हें हमारी उपलब्धियां दिखाई नहीं देतीं। उन्हें यह दिखाई नहीं देता कि भारत "स्टार्टअप्स" में तीसरे स्तर पर और "यूनिकॉर्न" में 108वें दर्जे पर पहुंच गया है और यह सब कुछ वैश्विक महामारी के दौरान हुआ है।"

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में जब प्रधानमंत्री अपना जवाब देने के लिए खड़े हुए तब विपक्ष के सांसदों ने अडानी मुद्दे पर जॉइन्ट पार्लियामैन्टरी कमेटी (जे.पी.सी.) से जांच कराने की मांग को लेकर नारे लगाए।

मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए अडानी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुली।"

जब प्रधानमंत्री ने यह कहा कि, कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी को "अच्छा नहीं लग रहा" है कि, भारत की स्थिति इतनी सुदृढ़ है, उस समय राहुल गांधी सदन में ही थे। मोदी ने कहा, "कुछ लोग साफतौर पर निराशा में डुबकी लगा रहे हैं।" उन्होंनें कथित रूप से कांग्रेस के समय हुये भ्रष्टाचार और घोटालों तथा "आदतन आलोचना" की प्रवृत्ति को लेकर कांग्रेस की आलोचना की।

मंगलवार को राहुल द्वारा किए गए हमले पर उपरोक्त टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि, पिछले नौ वर्षों में, रचनात्मक आलोचना की जगह, आदतन आलोचक हावी हो गए हैं। उन्होंने कहा, "वो लोग ऐसा कर रहे हैं" जो यह सोचते हैं कि, मोदी को भला-बुरा कहने से समस्याओं का समाधान हो जायेगा।"

अपने लक्ष्य (राहुल) के बारे में संदेह की कोई गुंजाइश न छोड़ते हुये, प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, "कल संसद में एक बार फिर, हारवर्ड की चर्चा हुई। उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने (कल) कहा था कि, भारत का विनाश हारवर्ड के लिये एक केस स्टडी बन जायेगा। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, हारवर्ड में एक महत्वपूर्ण अध्ययन हुआ है, जिसका शीर्षक है: "भारत की कांग्रेस पार्टी का उत्थान और पतन।" भविष्य में, कांग्रेस के विनाश का अध्ययन केवल हारवर्ड में ही नहीं, पूरे विश्व के अन्य अनेक संस्थानों में भी होगा।"

एक तरफ, जहाँ प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की विभिन्न योजनाएं गिनाईं तथा कहा कि, देश इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी पहलों के साथ, आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ, उन्होंने विपक्ष, मुख्यत: कांग्रेस पर साफतौर पर, नाम लेने से बचते हुये, जमकर प्रहार किये।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि, वो "निराशा में इतना डूब चुका है कि, उसे देश में हो रही तरक्की दिखाई नहीं दे रही।" उन्होंने कहा, ऐसा क्यों नहीं हो? क्योंकि 2004 से 2014 के बीच के दशक में.....।" इसके बाद तो कांग्रेस पर उनका जबरदस्त तीखा हमला शुरु हो गया।

भाजपा सदस्यों द्वारा जबरदस्त वाह-वाही के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "2014 से पहले, 2004 से 2014 के बीच, महँगाई बहुत ज्यादा थी। यह दशक आज़ादी के बाद का सर्वाधिक भ्रष्ट दशक था। यू.पी.ए. के 10 साल के शासन में, कश्मीर से कन्याकुमारी तक संपूर्ण देश आतंकवाद की जकड़ में था। जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक, पूरे क्षेत्र में हिंसा के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं देता था। उन 10 वर्षों में, वैश्विक मंच पर भारत इतना कमजोर था कि, कोई देश भारत की बात सुनने के लिये तैयार ही नहीं था। 2004 से 2014 के बीच, यू.पी.ए. ने हर अवसर को संकट में बदल दिया था।"

स्पष्ट रूप से, विपक्ष के हमलों से आहत प्रधानमंत्री ने यह कहकर जनता की सहानुभूति प्राप्त करने की कोशिश की कि, करोड़ो लोगों द्वारा उन पर किया गया भरोसा उनका एक ऐसा सुरक्षा-कवच है, जिसमें उनके निन्दकों के आरोपों और अपशब्दों से दरार तक नहीं आ सकती।

विपक्ष पर निशाना साधते हुये, मोदी ने कहा, "लेकिन कुछ लोग, जो गले तक कुंठा और अवसाद में डूबे हुये हैं, भारत के विकास की कहानी को स्वीकार नहीं कर रहे। उन्हें 140 करोड़ भारतीयों की उपलब्धियाँ दिखाई नहीं दे रहीं।"

प्रधानमंत्री ने कहा, लोग जानते हैं कि मोदी संकट की घड़ी में उनकी मदद के लिये आगे आया है। उन्होंने विपक्ष को संबोधित करते हुये कहा, "वे आपके अपशब्दों तथा आरोपों से सहमत कैसे होंगे।"

उन्होंने कहा, "लोग अखबारों की सुर्खियों या टी.वी. विज़ुअल्से के कारण मोदी पर भरोसा नहीं करते, बल्कि जनता की सेवा में सालों-साल की निष्ठा के कारण करते हैं।"

जब प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की जनकल्याण की पहल गिनाईं, तो भाजपा सदस्य जोर-जोर से "मोदी, मोदी" के नारे लगाने लगे। भाजपा सदस्यों के नारों के जवाब में, विपक्षी सदस्यों ने "अडानी, अडानी" के नारे लगाये।

मोदी ने कहा, "जब आप चुनाव हारते हैं, तो ई.वी.एम. पर दोषारोपण करते हैं, चुनाव आयोग की आचोलना करते हैं, अगर सर्वोच्च न्यायालय आपके पक्ष में फैसला नहीं देता, तो आप सर्वोच्च न्यायालय की आलोचना करते हैं।"

मोदी ने कहा, "अगर भ्रष्टाचार की जाँच कराई जा रही होती है तो आप जाँच एजेंसियों को गाली देते हैं। अगर सेना शौर्य का प्रदर्शन कर रही होती है, तो सशस्त्र सेनाओं को भला-बुरा कहते हैं, उनके खिलाफ आरोप लगाते हैं। जब आर्थिक उन्नति की बात होती है तो आप आर.बी.आई. की आलोचना करते हैं।"

दिल्ली मेयर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्मीदवार शैली ऑबेराय द्वारा दायर उस याचिका का परीक्षण कर रही थी, जिसमें माँग की गई है कि, इस दिल्ली नगर निगम के महापौर के चुनाव, जो पिछले दो माह में तीन बार आगे खिसक चुके हैं, जल्दी कराये जायें।

वरिष्ठ एडवोकेट ए.एम. सिंघवी ने कहा कि, सदन का सत्र तीन बार बुलाया गया, लेकिन मेयर के चुनाव नहीं कराये गये।

उन्होंने कहा, "हमें कई आपत्तियाँ हैं, जिनमें यह आपत्ति भी शामिल है कि, एम.सी.डी. के प्रो-टैम प्रिसाइडिंग ऑफिसर, मेयर, डिप्टी मेयर तथा स्थाई समिति के सदस्यों के चुनाव एक बार में ही कराने पर जोर दे रहे हैं। यह कदम दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन एक्ट के विपरीत है।"

तीन नेताओं के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज्यादा गतिशील सचिन पायलट को लाया जाये क्योंकि ऐसा करने से आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी द्वारा अच्छा प्रदर्शन किये जाने की कुछ उम्मीद बंध जायेगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 10 फरवरी को राज्य का बजट प्रस्तुत करने के लिये पूरी तरह तैयार हैं तो फिर बदलाव की प्रक्रिया कैसे सम्पन्न होगी, यह अटकल का ही विषय बनता दिखाई देता है।

लेकिन यह भी सच है कि, भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद, राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी में और ज्यादा मजबूत होकर उभरे हैं। राहुल अड़ियल तथा जिद्दी भी माने जाते हैं। सूत्रों का कहना है कि, राहुल जब किसी मुद्दे को मजबूती के साथ लेते हैं तो वे सामान्यत: अपना रास्ता बना लेते हैं। तथा, सूत्रों के अनुसार, वे अशोक गहलोत को बदलने के बारे में गंभीरता तथा मजबूती से सोच रहे हैं। गहलोत को सप्ताहांत में बीकानेर हाउस में आयोजित एक समारोह के लिए दिल्ली आना था, लेकिन वे इस अवसर का उपयोग नेतृत्व के साथ मीटिंग करने के लिये भी करना चाहते थे। लेकिन उनके मीटिंग के प्रस्ताव पर उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसलिये उन्होंने अपनी दिल्ली-यात्रा रद्द कर दी। सूत्रों का कहना है कि, अब वे पस्त और परेशान हैं तथा दुनिया अब उन्हें हरी-हरी दिखाई नहीं दे रहीं

अगर राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन में उचित सीमा से ज्यादा विलम्ब होता है तो नेतृत्व को यह सुनिश्चित करने में थोड़ी मुश्किल आयेगी कि कांग्रेस की राज्य इकाई में उसका हुकम चलता है।

''मोनी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो केवल हिन्दू-मुस्लिम की ही बात करते हैं। क्या उनके पास कोई और मुद्दा या विषय नहीं है? खड़गे ने मंदिरों में जाने वाली अनुसूचित जाति के लोगों पर होने वाले हमलों पर भी प्रहार किया। उन्होंने पूछा, "अगर आप उन्हें हिन्दू के रूप में स्वीकार करते हैं तो फिर उन्हें मंदिरों में क्यों नहीं जाने देते।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908